Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In October 2018

गुजवि में तीन दिवसीय देशज कार्यक्रम का समापन

गुजवि में चार राज्यों के 98 से अधिक कलाकारों ने मचाया हुनर का धमाल

हिसार। गुजवि में कार्यक्रम के दौरान पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हिसार। गुजवि में आयोजित कार्यक्रम में विशेष प्रस्तुति देते कलाकार।

- हरियाणा लोक कला यूनियन द्वारा भी संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली के सदस्यों को सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में चल रहा तीन दिवसीय देशज कार्यक्रम रविवार को सम्पन हुआ। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। देशज कार्यक्रम के तहत अंतिम दिन चार राज्यों के 98 से अधिक कलाकारों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के तीसरे दिन शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने किया। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के मुख्य हाल में भारत की विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के उत्सव देशज के तहत प्रदेश के प्रताप सिंह एवं दल ने सारंगी जोगी की प्रस्तुति दी। लावणी नृत्य, महाराष्ट्र की प्रस्तुति रेशमा मुसले एवं उनके दल ने दी। असम के बोडो नृत्य की प्रस्तुति बिक्रमा खाखलरी व उनके दल ने दी। हरियाणा के प्रचलित खोड़िया लोक नृत्य का प्रदर्शन अंजु रानी व उनके दल ने किया।

उत्तर प्रदेश के रास एवं मयूर नृत्य की प्रस्तुति मोहन स्वरुप भाटिया व उनके दल ने दी। आंध्र प्रदेश के एस. इंद्रजा एवं दल ने लमबाड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी। देशज कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति प्रदेश के भारत भूषण एवं उनके दल द्वारा दी गई। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कार्यक्रम में उपस्थित पद्मश्री मोहन स्वरुप भाटिया को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। पद्मश्री मोहन स्वरुप भाटिया के निर्देशन में रास एवं मयूर नृत्य की प्रस्तुति दी।

विश्वविद्यालय की ओर से तीन दिवसीय देशज को आयोजित करने वाली संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली के कार्यक्रम समन्वयक डा. मनीष मामगाँई, जयकरण, मिलिन्द श्रीवास्तव, महेन्द्र सिंह, विक्रम किशोरी, युवराज सिंह, किशोर सिंह, स्थानीय समन्वयक शीशपाल चौहान व अशोक गुड्डू, मंच संचालक सम्पूर्ण सिंह बागड़ी व प्रदीप बह्मनी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मातिन किया गया। संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली द्वारा भी तीन दिवसीय देशज में अह्म भूमिका निभाने वाले कलाकारों व सदस्यों को शॉल भेंट की। हरियाणा लोक कला यूनियन द्वारा भी संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली के सदस्यों को सम्मानित किया गया।

रास एवं मयूर नृत्य, उत्तर प्रदेश की प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी पत्नी प्रो. सुनीता श्रीवास्तवा ने रोज किट व गुरु जम्भेश्वर महाराज के साहित्य की पुस्तक भेंट की। सारंगी जोगी हरियाणा की प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने, असम की टीम को छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल व निशा बंसल, खोड़िया लोक नृत्य, हरियाणा की टीम को प्रो. कुलदीप बंसल, लावणी नृत्य, महाराष्ट्र की टीम को प्रदीप कुमार व प्रवीण कुमारी, बोडो नृत्य, लमबाड़ी नृत्य, आंध्र प्रदेश की टीम को प्रोक्टर संदीप राणा व राजीव भाटिया तथा फाग नृत्य, हरियाणा की टीम को नवीन श्रीवास्तव व कविता श्रीवास्तव ने सम्मानित किया।

हरिभूमि - 1-10-18

युवाओं को देश के इतिहास से अवगत कराएं : डॉ. पुंडीर

आध्यात्मिकता, योग एवं नैतिक मूल्य पर शुरू हुई साप्ताहिक वर्कशॉप

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि हमें अपने युवाओं को देश के इतिहास से अवगत करवाना चाहिए। यदि हम हमारे इतिहास से अवगत नहीं करवाएंगे तो हमारा युवा विदेशी संस्कृति की ओर आकर्षित होगा। यदि ऐसा हुआ तो भारतीय युवा भ्रमित हो जाएगा। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) द्वारा 'आध्यात्मिकता, योग एवं नैतिक मूल्य' विषय पर शुरू हुई साप्ताहिक वर्कशॉप के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

वर्कशॉप का शुभारंभ करते कुलसचिव एके पुंडीर, निदेशक प्रो. दिलबागी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। डॉ. अनुराग सांगवान ने मंच संचालन किया। मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि हमारे जीवन में आध्यात्मिकता, योग व आचार-विचार बहुत आवश्यक है। योग हमारे गुरुकुल समय से चला आ रहा है, जो स्वास्थ्य के साथ-साथ हमारे मन को एकाग्रित करता है। उन्होंने साप्ताहिक वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों के 40 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। डॉ. अनुराग सांगवान ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

ड्राइंग प्रतियोगिता में बच्चों को दी गुड टच व बैड टच की जानकारी

हिसार। टैलेस्टिला ट्यूटोरियल व गो बनानास क्लब द्वारा ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। प्रतियोगिता में चार वर्ष से लेकर पंद्रह वर्ष तक के बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बूमन पावर सोसायटी की नेशनल हैड मोनिका अरोड़ा ने बतौर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। मोनिका अरोड़ा ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को गुड टच व बेड टच के बारे में मोटिवेट किया गया। बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। अभिभावकों को स्वच्छता के प्रति जागृत किया गया। इस दौरान टैलेस्टिला क्लब की निदेशिका खरे व गो बनानास क्लब के फांउडर योगेश कुमार ने बच्चों के आगे पढ़ने की प्रेरणा दी व मुख्यातिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

अमर उजाला - 2/10/18

अच्छी खबर गुजवि पहुंचा मान्यता का पत्र, विश्वविद्यालय ने डिस्टेंस के अन्य कोर्सों की अंतिम तिथि बढ़ाई

गुजवि में डिस्टेंस से कर सकेंगे एमबीए और एमसीए

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय का दूरस्थ शिक्षा विभाग अब एमबीए, एमसीए, एमकॉम और एमबीए इंटीग्रेटिड पांच वर्षीय कोर्स करवाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बुधवार को पत्र जारी करते हुए मान्यता दे दी है। इससे पहले यूजीसी ने देश के किसी भी विश्वविद्यालय को मान्यता नहीं दी थी। अब मान्यता मिलने के कारण प्रदेश के करीब डेढ़ हजार से अधिक उम्मीदवारों को फायदा होगा, जो गुजवि से डिस्टेंस से एमबीए करना चाहते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के अनुसार इन कोर्सों में दाखिले के लिए 20 अक्टूबर तक प्रवेश लिया जा सकता है। इसके अलावा विवि ने दूरस्थ शिक्षा में यूजी, पीजी और पीजी डिप्लोमा कोर्सों की अंतिम तिथि को भी बढ़ाकर 20 अक्टूबर कर दिया है। विद्यार्थी इन कोर्सों के लिए ऑनलाइन अप्लाइ कर सकते हैं।

विद्यार्थियों की मांग को देखते हुए यूजीसी ने हमें चार कोर्सों की मान्यता दी है। इस बार यूजीसी ने एआइसीटीई से मान्यता को जरूरी बताते हुए देश के किसी भी विश्वविद्यालय को मान्यता नहीं दी थी। अब सब कुछ स्पष्ट होने के बाद हमें मान्यता मिल गई है।
प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि।

पहले किसी भी विश्वविद्यालय को नहीं दी थी मान्यता

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी द्वारा एमबीए और एमसीए के कोर्सों की मान्यता नहीं दी थी। कहा गया था कि इसके लिए पहले एआइसीटीई की मान्यता जरूरी है। एआइसीटीई ने विश्वविद्यालयों को डिस्टेंस से ये कोर्स चलाने के लिए उनकी मान्यता जरूरी होने से इंकार कर दिया। मामले को लेकर 18 सितंबर को विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं विशेषज्ञों की बैठक हुई। इस बैठक में गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार भी शामिल हुए थे। इसके बाद से एमबीए और एमसीए के कोर्सों की मान्यता का रास्ता साफ होने की बात कही जा रही थी।

गुजवि में डिस्टेंस से कर सकते हैं ये भी कोर्स

विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग द्वारा बीए, बीबीए, बीकॉम, बीए मॉस कम्यूनिकेशन, एमए मॉस कम्यूनिकेशन, एमएससी कम्प्यूटर साइंस, एमएससी मैथ कोर्सों के अलावा नए पीजी डिप्लोमा कोर्स पीजी डिप्लोमा इन कम्प्यूटर साइंस, पीजी डिप्लोमा इन एन्टायरमेंटल मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन टैक्सासेशन, पीजी डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशन, पीजी डिप्लोमा इन बेकरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पीजी डिप्लोमा इन काउंसलिंग एंड बिहैवियर मोडिफिकेशन, पीजी डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट में दाखिला ले सकेंगे।

दैनिक जागरण - 4/10/18

यूरोप जियोसाइंसिज यूनियन ने प्रो. आर बास्कर को किया सम्मानित

अमर उजाला ब्यूरो

प्रो. आर बास्कर।

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पब्लिक आउटरीच के निदेशक व पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. आर. बास्कर यूरोपियन साइंसिज, कमेटी ऑन एजुकेशन के सौजन्य से होने वाली जियोसाइंस इंफोर्मेशन फॉर टीचर्स (जीआईएफटी) वर्कशॉप के लिए भारतीय संयोजक होंगे।

यह वर्कशॉप इंटरनेशनल जियोलोजिकल कांग्रेस के सहयोग से नई दिल्ली में 2020 में होगी। इस प्रकार की इंटरनेशनल जियोलोजिकल कांग्रेस 56 वर्षों के अंतराल के बाद भारतीय उपमहाद्वीप में लौट रही है। कांग्रेस का विषय भू-विज्ञान : एक सतत भविष्य के लिए मूल विज्ञान है। कार्यशाला के दौरान इंटरनेशनल जियोलोजिकल कांग्रेस दुनिया के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों को आमंत्रित करता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने प्रो. बास्कर को इस उपलब्धि पर बधाई दी है तथा कहा है कि प्रो. बास्कर को जियोसाइंस इंफोर्मेशन फॉर टीचर्स वर्कशॉप के लिए भारतीय संयोजक के रूप में आमंत्रित करना गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के लिए गौरव की बात है।

पृथ्वी विज्ञान पर कार्य कर रहे दुनिया के अति प्रसिद्ध वैज्ञानिकों को प्रतिवर्ष एक अलग विषय पर केंद्रित बातचीत के लिए आमंत्रित किया जाता है। जियोसाइंस इंफोर्मेशन फॉर टीचर्स कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों के विज्ञान शिक्षकों के बीच प्राथमिक वैज्ञानिक जानकारी फैलाना है तथा खोज और पाठ्यपुस्तक के बीच के समय को कम करना है। इससे शिक्षकों को सामग्री के साथ सीधे कक्षा में ले जाया जा सकता है। वियना में वार्षिक उपहार कार्यशाला के अलावा, कांग्रेस ऑफ टीचर्स ने 2016 व 2017 में केप टाउन, 2016 में मैरीडा (मेक्सिको) और 2015 में अदीस अबाबा (इथोपिया) में तथा हाल के वर्षों में अन्य देशों में कई अन्य उपहार कार्यशालाओं की सफलतापूर्वक चलाया है। प्रो. बास्कर विशेष व्याख्यानों एवं शैक्षणिक गतिविधियों के लिए 25 देशों का भ्रमण कर चुके हैं।

दैनिक भास्कर - 5/10/18

कैंपस प्लेसमेंट, 45 विद्यार्थियों ने लिया भाग

हिसार। जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में एमबीए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए, माइक्रो फाइनेंस क्षेत्र की दिल्ली स्थित कंपनी सत्या माइक्रो कैपिटल द्वारा बुधवार को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें 45 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से छह विद्यार्थियों का चयन मैनेजमेंट ट्रेनी के पद पर हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि कंपनी के ह्यूमन कैपिटल हेड अजय कुमार और उनके दो सहयोगियों ने सर्वप्रथम प्री-प्लेसमेंट टॉक के माध्यम से विद्यार्थियों को कंपनी के बारे में और जॉब प्रोफाइल आदि के बारे में जानकारी दी। इसके बाद समूह वार्तालाप व व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से चयन प्रक्रिया को पूर्ण किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर संजय सिंह ने बताया कि चयनित होने वाले विद्यार्थियों में एमबीए, की पूजा, ज्योति शर्मा, प्रदीप कुमार, यशिका, साहिबा और शेफाली शामिल हैं। चयनित विद्यार्थी 2.4 लाख के प्रारंभिक वार्षिक सीटीसी पर जून 2019 में कंपनी ज्वाइन करेंगे।

अमर उजाला - 5/10/18

गुजवि के छह विद्यार्थियों का चयन

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के तत्वाधान में एमबीए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दिल्ली स्थित एक कम्पनी द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव में 45 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से छह विद्यार्थियों का चयन मैनेजमेंट ट्रेनी के पद पर हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि कम्पनी के प्रतिनिधि तथा उनके दो सहयोगियों ने सर्वप्रथम प्री-प्लेसमेंट टॉक के माध्यम से विद्यार्थियों को कम्पनी के बारे में और जॉब प्रोफाइल आदि के बारे में जानकारी दी। इसके बाद समूह वार्तालाप व व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से चयन प्रक्रिया को पूर्ण किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर संजय सिंह ने बताया कि चयनित होने वाले विद्यार्थियों में एमबीए की पूजा, ज्योति शर्मा, प्रदीप कुमार, यशिका, साहिबा तथा शैफाली हैं। चयनित विद्यार्थी अगले वर्ष जून में कम्पनी ज्वाइन करेंगे।

दैनिक भास्कर - 5/10/18

जीजेयू में सात दिवसीय लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

जीजेयू में इंडस्ट्री इंटरेक्शन वर्कशॉप में शामिल हुए स्टूडेंट्स।

हिसार। जीजेयू के मानव संसाधन विकास केन्द्र में सात दिवसीय लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत हवन एवं योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। सोनीपत के स्वामी संदीप मुमुक्षु ने प्रतिभागियों को हवन व व्यायाम का अभ्यास करवाया। उन्होंने बताया कि हवन से न केवल वातावरण शुद्ध होता है बल्कि आत्मिक शुद्धि भी होती है। दूसरे सत्र में प्रो. ओम प्रकाश आर्य ने नैतिकता एवं आदर्श पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बहुत सुंदर तरीके से गीता एवं अन्य ग्रंथों का संदर्भ देते हुए 'शिक्षक एवं नैतिकता' विषय पर अपने विचार रखे। दोनों ही सत्रों में प्रतिभागियों ने उपस्थित वक्ताओं से प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा शांत की।

दैनिक भास्कर - 6/10/18

जीजेयू ने 4 जिलों के पानी में यूरेनियम की मात्रा जांचने को 425 गांवों से लिए सैंपल, जांच की रिपोर्ट भामा सेंटर भेजेंगे

सुभाष चंद्र | हिसार

प्रदेश के पानी में यूरेनियम की जांच की जा रही है। विभिन्न जिलों में जहां पानी में यूरेनियम की मात्रा संभावित है। वहां परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड ने विभिन्न जिलों में यूनिवर्सिटीज को पानी की जांच के प्रोजेक्ट दिए हैं। प्रदेश के 16 जिलों में यूरेनियम जांच के प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं। इनमें सिरसा, फतेहाबाद, हिसार व भिवानी जिले में पानी में यूरेनियम की जांच की जिम्मेवारी जीजेयू को सौंपी गई है। सैंपलों की लैब में जांच की रिपोर्ट तैयार कर उसे भामा एटोमिक रिसर्च सेंटर भेजा जाएगा। पंजाब में भी पानी में यूरेनियम मिलने से वहां के गांववालों ने पानी पीने से ही मना कर दिया।

दो बार लिए पानी के सैंपल

सैंपल प्री मॉनसून और मॉनसून के बाद दोबारा लिए। 15 सितंबर के बाद जींद जिले से सैंपल लिए जा रहे हैं। यूरेनियम के अलावा पानी की हार्डनेस व अन्य रेडियो एक्टिव कंपाउंड समेत, सोडियम क्लोराइड, मैग्नीशियम अन्य तत्वों की भी जांच की जा रही है।

हिसार, जींद, सिरसा और भिवानी जिले से लिए सैंपल

जीजेयू की प्रोजेक्ट टीम ने हिसार, जींद, सिरसा व भिवानी में 425 गांवों से पानी के सैंपल लिए हैं, इनमें यूरेनियम की मात्रा के साथ अन्य तत्वों की भी जांच की जा रही है। प्रोजेक्ट को कोऑर्डिनेट कर रहे डॉ. नीरज दिलबागी ने बताया कि सैंपलों की जांच में यूरेनियम की मात्रा मानकों के अनुरूप मिली है। यानि यूरेनियम की मात्रा खतरे के निशान से काफी नीचे हैं। 2017 से जुलाई 2018 तक सैंपल लिए गए हैं। प्रोजेक्ट में डॉ. नीरज दिलबागी के साथ डॉ. गर्ग, जेआरएफ अक्षय, बलविंद्र डॉ. नवीश, कविता शर्मा आदि का भी योगदान रहा है। इस कार्य के लिए करीब 13 लाख का बजट आया है।

न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए भी मिलेगा सहयोग

देश में विभिन्न जगहों पर न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाए जाने हैं। प्लांट के लिए इसके आसपास कितनी नेचुरल रेडियेशन है, इसकी भी जांच की जाती है। पानी में यूरेनियम की जांच से इस प्रोजेक्ट में भी सहयोग मिलेगा। देश बोर्ड ऑफ रिसर्च सेंटर की ओर से देश में जहां-जहां न्यूक्लियर पावर प्लांट बनना है, वहां भी रेडियोएक्टिव कंपाउंड को जांचा जा रहा है। न्यूक्लियर पावर प्लांट फतेहाबाद के गोरखपुर गांव में भी बनाया जाना है।

दैनिक भास्कर - 8/10/18

प्रतियोगिता • दूसरे सत्र में इम्प्रूवमेंट स्पीच कॉन्टेस्ट का भी हुआ आयोजन

जीजेयू में मोबाइल फोन एप्टीट्यूट टेस्ट में सचिन प्रथम और पूजा दूसरे स्थान पर

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने विद्यार्थियों की योग्यता व कौशल विकास के लिए दूसरी मासिक प्रतिस्पर्धा दिवस का आयोजन किया। इसमें दो प्रकार की स्पर्धाएं आयोजित हुईं। स्पर्धाओं में विभिन्न विभागों के 130 विद्यार्थियों ने भाग लिया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि प्रथम सत्र में हैलो टॉपर मोबाइल एप के माध्यम से विद्यार्थियों ने मोबाइल फोन से ऑनलाइन एप्टीट्यूट टेस्ट दिया। जिसका परिणाम परीक्षा समाप्त होने के कुछ ही देर बाद घोषित कर दिया गया। इस टेस्ट में बीटेक द्वितीय वर्ष के सचिन शर्मा को प्रथम, एमबीए प्रथम वर्ष की पूजा कम्बोज को द्वितीय तथा बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष की योगिता कुकड़ेजा को तृतीय और बीटेक पैकेजिंग द्वितीय वर्ष के रघुवीर संतोषी व बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की वैशाली सिंगल को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। दूसरे सत्र में इम्प्रूवमेंट स्पीच कांटेस्ट यानि एक पंक्ति के आधार पर भाषण स्पर्धा का आयोजन हुआ जिसमें प्रिंटिंग विभाग के डॉ. पंकज तिवारी, फिजिक्स विभाग के डा. विवेक गुप्ता और सीएमटी विभाग की पल्लवी ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में बीपीटी तृतीय वर्ष की सृष्टि टंडन को प्रथम, बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष की रेनू शर्मा को द्वितीय, बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के चतुर्थ वर्ष के रोशन कुमार मिश्रा व बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग चतुर्थ वर्ष की सुष्मिता सिंह को संयुक्त रूप से तृतीय व एम फार्मा प्रथम वर्ष की नेहा दास व बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष की रानी को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। मंच संचालन आरजू सांगवान व विशाल ने किया। धन्यवाद प्रस्ताव ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी संजय सिंह ने प्रस्तुत किया।

टेस्ट में विजेता रहे स्टूडेंटस व प्लसमेंट सेल के अधिकारी व टीचर्स।

दैनिक भास्कर - 14/10/18

टेनिस में गुजवि की टीम रही प्रथम

जागरण संवाददाता, हिसार : जिला स्तरीय खेल महाकुंभ टेनिस ओपन वर्ग प्रतियोगिता में गुजवि की टेनिस टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया है। ओपीजेएमएस टेनिस टीम द्वितीय और खेदड़ पावर प्लांट टीम तृतीय स्थान पर रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विजेताओं को प्रथम स्थान के लिए 7500 रुपये, द्वितीय स्थान के लिए 5000 रुपये और तृतीय स्थान के लिए 2250 रुपये प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया। इस महाकुंभ का आयोजन हरियाणा सरकार के खेल मंत्रालय के सोजन्य से हुआ। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में टेनिस ओपन वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डा. एस.बी. लुथरा ने बताया कि विश्वविद्यालय में हुई टेनिस ओपन वर्ग प्रतियोगिता में पांच टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम के तत्वाधान में किया गया।

गुजवि में विजेताओं को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

दैनिक जागरण - 14/10/18

गुरु जंभेश्वर विवि के नौ छात्रों का टीसीएम में चयन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के नौ विद्यार्थियों का चयन टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड द टीसीएस में हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। टीसीएस ने 'टीसीएस निंजा हायरिंग' कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्तर पर चयन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें देशभर के किसी भी तकनीकी महाविद्यालय, या विश्वविद्यालय के बीटेक विद्यार्थी भाग ले सकते थे। गुजवि के सीएसई, आइटी, ईसीई और एमई के कुल 80 विद्यार्थियों ने इस टेस्ट में भाग लिया था। जिनमें से बीटेक ईसीई के नेहिल कुमार व ईशांत सिंह, बीटेक सीएसई के राजन राय, विकास मिश्रा, दीपक ढांडा व ऊषा तंवर और बीटेक आईटी के प्रिंस कथूरिया, कार्तिक सिंघल और नरेंद्र यादव का चयन हुआ है। चयनित सभी 9 विद्यार्थी असिस्टेंट सिस्टम इंजीनियर ट्रेनी के पद पर 3.36 लाख के प्रारंभिक वार्षिक पैकेज पर जून 2019 में ज्वाइन करेंगे।

गुजवि में चयनित विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और अन्य।

दैनिक जागरण - 16/10/18

छात्र संघ चुनाव : कड़ी सुरक्षा के बीच होगा मतदान, इनसो-एनएसयूआई समेत 14 संगठन करेंगे विरोध

16 कॉलेजों में 157 सीआर पदों पर होगा चुनाव

- 363 सीआर पदों के लिए 667 नामांकन मिले, 144 पदों पर एक एक आवेदन मिलने के चलते ये निर्विरोध चुन लिए गए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

छात्र संघ चुनाव को लेकर बुधवार को मतदान होगा। मतदान में विरोध को देखते हुए गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय और कॉलेजों के बाहर पुलिस टीमें तैनात रहेंगी। कॉलेजों में आईडी कार्ड दिखाने पर ही एंट्री मिलेगी। कॉलेज या लाइब्रेरी के आईकार्ड पर ही छात्र वोट डाल सकेंगे। दूसरी तरफ इनसो और एनएसयूआई सहित 14 छात्र संगठन मतदान का विरोध करेंगे। इन संगठनों द्वारा गुजवि व शहर के प्रमुख कॉलेजों के गेटों के समक्ष प्रदर्शन किए जाएंगे। छात्रों से वोटिंग न किए जाने की अपील की जाएगी।

जिले के 16 कॉलेजों में 363 सीआर पदों के लिए 667 नामांकन मिले हैं। इनमें से 157 पदों के लिए ही वोटिंग होगी। 144 पदों पर एक एक आवेदन मिलने के चलते ये निर्विरोध चुन लिए गए हैं। जबकि करीब 62 कक्षाओं पर किसी ने आवेदन नहीं किया, यहां पिछली कक्षा के टॉपर्स को सीआर नोमिनेट किया जाएगा।

पोलिंग पार्टियां तैयार

चुनाव को लेकर कॉलेजों में मतपेटियां और बैलेट पेपर पहुंच गए हैं। कॉलेजों में पोलिंग पार्टियां बना दी गई हैं। पोलिंग पार्टियों को बैलेट व चुनाव सामग्री उपलब्ध करवा दी गई है। सीआर का चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों ने भी अपने बूथ एजेंट बना लिए हैं। जिनको चुनाव की जिम्मेवारी सौंपी गई है।

छात्र संगठन पहुंचे हाईकोर्ट, 12 को सुनवाई

इनसो-एनएसयूआई समेत 14 छात्र संगठनों ने मिलकर प्रत्यक्ष छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर 12 नवंबर को सुनवाई होगी। इनसो जिला चेयरमैन सिल्क पूनिया ने बताया कि छात्र संघ चुनावों में लिंगदोह कमेटी की शर्तों को नहीं माना गया। प्रदेश में अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव करवाए जा रहे हैं। इसके विरोध में याचिका लगाई है। अगर हाईकोर्ट ने छात्र संगठनों की मानी तो बुधवार को होने वाले चुनाव रद्द भी हो सकते हैं।

रामपाल व रोडवेज हड़ताल से उपस्थिति कम

छात्र संघ चुनाव से एक दिन पहले रामपाल मामले में सुनवाई और रोडवेज की हड़ताल के चलते कॉलेजों में आम दिनों की अपेक्षा कम हाजिरी रही।

चुनाव से पहले प्रचार का अंतिम दिन होने के चलते सीआर पदों के लिए खड़े उम्मीदवारों को निराशा हाथ लगी। कम उपस्थिति के बावजूद कॉलेजों में उम्मीदवारों ने अपने पक्ष में प्रचार किया। सोशल मीडिया और मोबाइल फोनस के जरिए भी प्रचार जारी रहा।

हिसार। राजकीय कॉलेज में प्रचार करते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

कॉलेजों में कार्ड दिखाने पर ही मिली एंट्री

छात्र संघ चुनावों को लेकर कॉलेजों में सिक्योरिटी पूरी तरह से टाइट रही। गुजवि के सिटी गेट और कॉलेजों के मुख्य गेट पर ही आईकार्ड चैक करने के बाद ही विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। यहां एंट्री लेने वाले प्रत्येक वाहन चालक से भी पूछताछ की गई। कॉलेजों में भी पुलिस पीसीआर गश्त पर रही।

प्रेसीडेंट के लिए 15 मिनट में करना होगा नामांकन

गुजवि और कॉलेजों में सीआर पदों को लेकर 10.30 से 12 बजे तक मतदान होगा। इसके बाद 2 बजे तक मतगणना व परिणामों की घोषणा कर दी जाएगी। प्रेसीडेंट, वाइस प्रेसीडेंट, महासचिव व अन्य पदों के लिए 3 बजे से 3.15 तक नामांकन किए जाएंगे। 4 बजे तक वोटिंग और 5 बजे तक परिणामों की घोषणा की दी जाएगी।

हकृवि-लुवास में चुनाव नहीं

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव नहीं हो रहे। विवि प्रशासन का कहना है कि उनको चुनाव को लेकर नोटिफिकेशन भी नहीं मिला है। इनसो जिला चेयरमैन सिल्क पूनिया का कहना है कि हकृवि और लुवास में चुनाव करवाने से सरकार डर चुकी है। इन दोनों विवि में एबीवीपी को उनके कैंडीडेट ही नहीं मिले।

गुजवि में 22 में से 9 विभागों में होगी वोटिंग

गुजवि में 22 विभाग हैं, यहां कुल 91 सीआर पदों के लिए 99 नामांकन मिले हैं। 59 सीआ[...] निर्विरोध चुने गए हैं। 18 कक्षाओं [...] कोई आवेदन न मिलने पर य[...] पिछली कक्षाओं के टॉपर्स [...] सीआर निर्वाचित किया जाएगा। [...] तरह 91 में से 77 सीआर चुने [...] चुके, सिर्फ 14 सीआर के लि[...] वोटिंग होगी।

यह है स्थिति

संस्थान	सीआर	निर्विरोध	चुनाव होगा
गुजवि	91	77	14
राजकीय कॉलेज	43	16	27
जाट कॉलेज	34	19	15
एफसी कॉलेज	22	09	13
राजकीय महिला कॉलेज	16	05	11

सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग, सीआर पर डालेंगे दबाव

छात्र संघ चुनाव का बहिष्कार कर रहे 14 संगठनों के नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनावों में सिर्फ एबीवीपी को लाभ देने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया जा रहा है। इनसो जिला चेयरमैन सिल्क पूनिया ने प्रेसवार्ता में कहा कि गुजवि कुलपति चुनाव से एक दिन पहले एबीवीपी के पदाधिकारियों और सीआर के साथ चाय पार्टी कर रहे हैं। राजस्थान और यूपी में भी भाजपा सरकार है, वहां छात्र संघ चुनाव डायरेक्ट है, यहां सरकार पीछे भाग रही है। उनको अपनी गिरती लोकप्रियता का पता है। उन्होंने कहा कि बुधवार को गुजवि व सभी कॉलेजों में छात्र संगठन विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर इनसो जिलाध्यक्ष आशीष कुंडू, गुजवि अध्यक्ष हरेंद्र बेनीवाल, एचएसओ दिल्ली व चंडीगढ़ प्रभारी सचिन दूहन, एनएसयूआई जिला प्रवक्ता रमन बेनीवाल, केएसओ जिला जोन प्रभारी हरिकेश ढांडा, जेडएसओ संयोजक तुषार गोयत, जेएसओ प्रदेश अध्यक्ष बजरंगी, डीएसएफआई प्रदेश अध्यक्ष विक्रम अटल आदि उपस्थित थे।

हिसार। पत्रकारों से बातचीत करते इनसो जिला चेयरमैन सिल्क पूनिया।

हरिभूमि - 17/10/18

जीजेयू • स्टूडेंट्स के कॅरिअर, स्टडी संबंधी तनाव को दूर कर किया जाएगा व्यक्तित्व विकास

5 हजार स्टूडेंट्स व एक हजार कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य की जांच के लिए मनोविज्ञान सैल गठित

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के स्टूडेंट्स व कर्मचारियों को किसी प्रकार की मानसिक समस्या के समाधान के लिए साइकोलोजिस्ट के पास व अस्पतालों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। जीजेयू में विवि प्रशासन ने मनोविज्ञान एंड गाइडेंस सैल का गठन किया है। इस सैल के जरिये स्टूडेंट्स अपने कॅरिअर, जिंदगी व अन्य प्रकार की मानसिक समस्याओं का समाधान यूनिवर्सिटी में ही करवा सकेंगे। जीजेयू के प्रोक्टर संदीप राणा की देखरेख में सैल का गठन किया गया है। डायरेक्टर की जिम्मेदारी भी प्रोक्टर राणा को ही सौंपी गई है। देशभर के विश्वविद्यालयों में मनोविज्ञान सैल की जरूरत के लिए सुप्रीम कोर्ट ने भी एडवाइजरी जारी की थी।

प्रत्येक शुक्रवार को 9 से 5 बजे तक काउंसलिंग

जीजेयू में पहली बार शुरू की गई मनोवैज्ञानिक सैल स्टूडेंट के व्यक्तित्व विकास में हेल्प करेगी। मनोविज्ञान सैल ने स्टूडेंट्स व कर्मचारियों को लाइफ स्ट्रेस मैनेजमेंट, स्टडी स्ट्रेस मैनेजमेंट कॅरिअर स्ट्रेस मैनेजमेंट, तनाव प्रबंधन, डिप्रेशन व एंजायटी से कैसे बचा जाएं, गुस्से को किस प्रकार मैनेज करें, आत्महत्या, स्टूडेंट्स में आगे बढ़ने की होड़ के कारण होने वाले स्ट्रेस, हीनभावना, नकारात्मक, भावनात्मक समस्याएं, आपसी रिश्तों से संबंधित समस्याओं, नशे व हिंसा से बचाव आदि बातों के बारे में गाइड किया जाएगा। सप्ताह में प्रत्येक शुक्रवार को मनोविज्ञान सैल 9 से 5 बजे तक काउंसलिंग करेगी। जिसमें मनोविज्ञान संबंधी हर प्रकार की समस्या का समाधान किया जाएगा। जीजेयू में 22 डिपार्टमेंट में 5 हजार से अधिक स्टूडेंट स्टडी कर रहे हैं। विवि में टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ मिलाकर एक हजार के करीब कर्मचारी हैं। मनोविज्ञान सैल व गाइडेंस सैल स्टूडेंट्स व कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य की भी जांच करेगी, ताकि स्टूडेंट कॅरिअर व जीवन में बेहतर कार्य कर सकें। साथ ही उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लग सके। सैल समय-समय पर कार्यशालाओं का भी आयोजन करेगा।

स्टूडेंट का होगा व्यक्तित्व विकास : प्रोक्टर राणा

व्यक्तित्व के विकास के लिए मानसिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सैल बनाया गया है। विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक जरूरतों व मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के निदान के लिए मनोविज्ञान व परामर्श केंद्र की पहली बार स्थापना की गई। मानसिक स्वास्थ्य की जीवन में भूमिका को समझते हुए इस सैल के माध्यम से विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को जानने की कोशिश की जाएगी।''

प्रोक्टर संदीप राणा, डायरेक्टर, मनोविज्ञान एंड गाइडेंस सैल, जीजेयू।

सख्ती गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में अनुबंधित कर्मचारियों के लिए निर्देश जारी

बायोमीट्रिक हाजिरी न लगाई तो कटेगा वेतन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में अनुबंध आधार पर लगे कर्मचारियों को अब बायोमीट्रिक अटेंडेंस लगानी होगी। जो कर्मचारी निर्धारित समय पर बायोमीट्रिक अटेंडेंस नहीं लगाएंगे, विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी सैलरी काट लेगा। विश्वविद्यायल प्रशासन की ओर से संबंधित एजेंसियों को आधार इनेबल बायोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम लगाने को कहा है। ताकि सभी कर्मचारियों को उनकी हाजिरी के अनुरूप सैलरी दी जा सके।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए भी कर्मचारियों की बायोमीट्रिक हाजिरी अनिवार्य की जा रही है। हालांकि कच्चे कर्मचारी, पक्के कर्मचारियों के लिए बायोमीट्रिक सिस्टम लागू नहीं करने का हवाला देकर इसका विरोध कर रहे हैं। विश्वविद्यालय में पक्के कर्मचारियों के लिए अभी तक बायोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम लागू नहीं किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन दिसंबर में बायोमीट्रिक अटेंडेंस रिकार्ड के आधार पर ही अनुबंधित कर्मचारियों को सैलरी देगा।

एजेंसी को करना होगा प्रबंध : विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार बायोमीट्रिक हाजिरी से संबंधित सभी जरूरी उपकरणों की व्यवस्था एजेंसी को ही करनी होगी। कंप्यूटर सिस्टर, फिंगर स्केनर, इंटरनेट कनेक्शन आदि का प्रबंध करके एजेंसी को कर्मचारियों की हाजिरी का पूरा डेटा विश्वविद्यालय को देना होगा। हाजिरी के इसी डेटा के आधार पर विश्वविद्यालय कर्मचारियों को सैलरी देगा।

विश्वविद्यालय में हैं करीब 550 कर्मचारी

गुजवि में बड़ी संख्या में अनुबंधित कर्मचारी काम कर रहे हैं। दो एजेंसियों के माध्यम से करीब 550 अनुबंधित कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में रखा गया है। इनमें सबसे अधिक संख्या माली और सफाई कर्मचारियों की है।

दैनिक जागरण 22.10.18

नवनिर्वाचित छात्र परिषद सदस्यों ने दी पद एवं गोपनीयता की शपथ

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमिनार हॉल-1 में नवनिर्वाचित विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नवनिर्वाचित विद्यार्थी परिषद के प्रधान गौरव कादियान, सचिव रजत, उपप्रधान गुरु विप्लव, संयुक्त सचिव सपना तथा कार्यकारिणी के सदस्य अल्का, सुमित, अनिशा, सन्नी यादव व तमन्ना को पद व गोपनीयता की शपथ दिलवाई। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं में विद्यार्थियों की सीधी भागीदारी होनी चाहिए। विद्यार्थी किसी भी शिक्षण संस्थान के मुख्य स्टेक होल्डर्स होते हैं।

उन्होंने नव निर्वाचित विद्यार्थियों से कहा कि चुनाव जीतना ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि चुनाव जीतने के बाद अपनी जिम्मेदारियों का किस प्रकार से निर्वहन करें, ये महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनिर्वाचित विद्यार्थी परिषद विश्वविद्यालय के विकास में योगदान देगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को इस मुद्दे पर अपनी राय देनी चाहिए कि विश्वविद्यालय में क्या होना चाहिए और क्या नहीं होना चाहिए। विश्वविद्यालय प्रशासन का मुख्य

नवनिर्वाचित विद्यार्थी परिषद को शपथ दिलवाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

जीजेयू के रणबीर सिंह सभागार के सेमिनार हॉल में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

उद्देश्य विद्यार्थियों को संतुष्ट करना होता है। विद्यार्थी संतुष्ट होंगे तभी विश्वविद्यालय विकास की राह पर चल पाएगा। हमें मिलकर पढ़ाई, परीक्षा व परिणाम तीनों को दुरुस्त करना है।

प्रो. वीके बिश्नोई बोले सुखद माहौल में हुए चुनाव

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. वीके बिश्नोई ने कहा कि बहुत ही सुखद माहौल में चुनाव हुए हैं। इसके लिए विद्यार्थी बधाई के पात्र हैं। विद्यार्थियों की समस्याओं को स्वयं विद्यार्थियों से ज्यादा और कोई नहीं समझ सकता, इसलिए समस्याओं के समाधान में विद्यार्थियों की सीधी भागीदारी होने से विश्वविद्यालय प्रशासन को मदद मिलेगी।

छात्राओं की सुरक्षा प्राथमिकता : प्रधान

नवनिर्वाचित प्रधान गौरव कादयान ने कहा कि छात्राओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाना तथा विश्वविद्यालय में बाहरी लोगों के हस्तक्षेप को रोकना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इसके साथ ही उन्होंने जीत का श्रेय मोटी कालड़ा व कौशल धनखड़ के साथ सभी सहयोगियों को दिया तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में परीक्षा परिणामों को भी समय पर निकलवाया जाएगा। परीक्षा परिणाम समय पर न आने से विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद : इस अवसर पर गौरव कादियान के दादा निरंजन सिंह नंबरदार व पिता सूरजभान सहित, प्रोक्टर प्रो. संदीप राणा, चीफ वार्डन प्रो. सुनील शर्मा, चीफ वार्डन गर्ल्स प्रो. सोनिका, डिप्टी चीफ वार्डन डॉ. विकास वर्मा तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

अमर उजाला - 23/10/18

जीजेयू में नई पहल, एक नवंबर से शुरू होगा ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स

विवि के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित राष्ट्रीय संसाधन केंद्र ने की शुरुआत

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित राष्ट्रीय संसाधन केंद्र ने एक नई पहल की है। यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा एक नवंबर 2018 से ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स शुरू किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने मानव संसाधन विकास केंद्र की पूरी टीम को बधाई दी है।

केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया कि 'पेडाजोजिकल इनोवेंशन्स एंड रिसर्च मेथोडोलॉजी' विषय पर होने वाले इस रिफ्रेशर कोर्स के लिए पंजीकरण प्रक्रिया जारी है। यह प्रक्रिया 31 अक्तूबर 2018 तक चलेगी।

देशभर से 170 प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण

अब तक इस कोर्स के देशभर से 170 शिक्षक प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवा लिया है। प्रो. वंदना पूनिया इस कोर्स की संयोजिका हैं। इस कोर्स में एक-एक घंटे के 40 मोड्यूल होंगे। प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्सों को अन्य रिफ्रेशर कोर्सों के समकक्ष माना है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नई गाइडलाइन के अनुसार शिक्षकों को पदोन्नति के लिए भी एक ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स करना अनिवार्य होगा। यह ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स एक नवंबर से 28 फरवरी तक होगा।

पेडाजोजिकल इनोवेंशन्स एंड रिसर्च मेथोडोलॉजी विषय पर होगा कोर्स

रिफ्रेशर कोर्स के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 31 अक्तूबर तक

जीजेयू को 2021 तक मिली एनबीए से मान्यता

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडेशन (एनबीए) से मान्यता मिल गई है। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, आईटी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग व इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग कोर्सों को शैक्षणिक वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक मान्यता मिली है। यह मान्यता 30 जून 2021 तक के लिए मिली है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने खुशी व्यक्त की और विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि एनबीए से मान्यता मिलने से इन कोर्सों की उपयोगिता अब बढ़ गई है। एनबीए के समन्वयक प्रो. योगेश चाबा ने बताया कि नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडेशन की टीम ने विश्वविद्यालय में 24 से 26 अगस्त 2018 को दौरा किया था। टीम के सदस्यों नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च, शिमला हिल्स के प्रो. संजय अग्रवाल, एनआईटी वरांगल के पूर्व प्रो. को. कोडाल बाबू राव, हिंदुस्तान विश्वविद्यालय चेन्नई के वरिष्ठ प्रो. केएम मेहता, एनआईटी सूरथकल के प्रो. वीएस अनाथनारायना, कुरीकुलम डेवलपमेंट सेंटर तारामनी चेन्नई के पूर्व प्रोफेसर एवं हेड प्रो. एस. धनपाल, जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता के पूर्व प्रो. सुबीर के. सरकार, थियागराजार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग मदुरई तमिलनाडु के प्रो. एम. पलानीनाथा राजा व कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग वैलसली रोड शिवाजी नगर पुणे की डॉ. एवी मुलेय ने विश्वविद्यालय के सभी विभागों का दौरा किया था। टीम की रिपोर्ट विश्वविद्यालय को मिल चुकी है।

अमर उजाला - 24/10/18

जीजेयू के तीन और कोर्सों को मिली मान्यता

हिसार, 24 अक्टूबर (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन दएनबीएइ से मान्यता मिल गई है। कंप्यूटर साईस एंड इंजीनियरिंग, आईटी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग व इलैक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग कोर्सिज को शैक्षणिक वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक तीन साल के लिए 30-06-2021 तक मान्यता मिली है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने खुशी व्यक्त की और विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि एनबीए से मान्यता मिलने से इन कोर्सिज की उपयोगिता अब बढ़ गई है। एनबीए के समन्वयक प्रो. योगेश चाबा ने बताया कि नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन की टीम ने विश्वविद्यालय में 24 से 26 अगस्त 2018 को दौरा किया था। टीम के सदस्यों नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च, शिमला हिल्स के प्रो. संजय अग्रवाल, एनआईटी वरांगल के पूर्व प्रोफेसर को कोडाल बाबू राव, हिन्दुस्तान विश्वविद्यालय, चेन्नई के वरिष्ठ प्रो. के.एम. मेहता, एनआईटी सूरथकल के प्रो. वी.एस. अनाथनारायना, कुरीकुलम डिवैल्पमैंट सैंटर, तारामनी, चेन्नई के पूर्व प्रोफैसर एवं हैड प्रो. एस. धनपाल, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकता के पूर्व प्रो. सुबीर के. सरकार, थियागराजार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मदुराई, तमिलनाडू के प्रो. एम. पलानीनाथा राजा व कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग वैलसली रोड, शिवाजी नगर, पुणे की डा. अराती विनायक मुलेय ने विश्वविद्यालय के सभी विभागों का दौरा किया था। टीम की रिपोर्ट विश्वविद्यालय को मिल चुकी है।

पाठकपक्ष - 24/10/18

बीटेक के कंप्यूटर साइंस, आइटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग कोर्सों को मिली मान्यता

गुजवि के इंजीनियरिंग के चार कोर्सों को मिली एनबीए की मान्यता

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के तीन विभागों के चार कोर्सो को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) ने मान्यता दे दी है। मान्यता मिलने के बाद विश्वविद्यालय के इन कोर्सों की उपयोगिता अब और अधिक बढ़ गई है। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, आईटी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग व इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग कोर्सों को शैक्षणिक वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक तीन साल के लिए तक मान्यता मिली है।

मान्यता की अवधि 30 जून 2021 को खत्म होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने मान्यता मिलने पर खुशी जताई और विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। एनबीए के समन्वयक प्रो. योगेश चावा ने बताया कि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) की टीम ने विश्वविद्यालय में 24 से 26 अगस्त 2018 तक तीन दिवसीय दौरा किया था। टीम ने तीन विभागों में बीटेक के चार कोर्सों को मान्यता प्रदान करने के विभिन्न संसाधनों व शिक्षा में प्रदर्शन का मूल्यांकन का मूल्यांकन करते हुए रिपोर्ट तैयार की थी। एनबीए ने मंगलवार को यह रिपोर्ट जारी कर दी।

एनबीए करती है तकनीकी पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन

एनबीए एक स्वायत्त संस्थान है जो समय-समय पर तकनीकी संस्थानों और पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा अनुशंसित मानक और मानदंडों के अनुरूप करती है। एनबीए द्वारा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान करना विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को दर्शाता है। यह टीम लैब, वर्कशॉप, लाइब्रेरी और विद्यार्थियों से संबंधित सुविधाओं का जायजा लेती है। अपने दौरे के दौरान टीम ने जीजेयू में विभाग के टीचर्स, विद्यार्थियों और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों से भी बातचीत करने के साथ ही संबंधित विभागों का रिकार्ड भी देखा था।

एनबीए टीम में इन सदस्यों ने किया था दौरा

टीम के सदस्यों नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नीकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च, शिमला हिल्स के प्रो. संजय अग्रवाल, एनआईटी वरांगल के पूर्व प्रोफेसर को कोडाल बाबू राव, हिन्दुस्तान विश्वविद्यालय, चेन्नई के वरिष्ठ प्रो. केएम मेहता, एनआईटी सूरथकल के प्रो. वीएस अनाथनारायना, कुरीकुलम डेवलपमेंट सेंटर, तारामनी, चेन्नई के पूर्व प्रोफेसर एवं हैड प्रो. एस. धनपाल, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकता के पूर्व प्रो. सुबीर के. सरकार, थियागराजार कालेज ऑफ इंजीनियरिंग, मदुराई, तमिलनाडु के प्रो. एम. पलानीनाथा राजा व कालेज ऑफ इंजीनियरिंग वैलस्ली रोड, शिवाजी नगर, पुणे की डा. अराती विनायक मुलेय ने विश्वविद्यालय के सभी विभागों का दौरा किया था।

दैनिक जागरण - 24/10/18

इंडस्ट्री इंटरेक्शन में 200 स्टूडेंट्स ने लिया हिस्सा

अल्ताजिर ग्लास इंडस्ट्रीज लिमिटेड में 20 वर्षों से कार्यरत दिनेश ने किया संबोधित

जीजेयू में इंडस्ट्री इंटरेक्शन में शामिल हुए स्टूडेंट्स।

हिसार| जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने इंडस्ट्री इंटरेक्शन प्रोग्राम के तहत प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी व मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागों के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। दुबई स्थित अल्ताजिर ग्लास इंडस्ट्रीज लिमिटेड में पिछले 20 वर्षों से कार्यरत दिनेश कुमार ने सेमिनार में 200 से अधिक विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर दिनेश कुमार ने एम्प्लॉयबिलीटी, इंडस्ट्रीज में उपयोग होने वाली चयन प्रक्रिया व उसकी तैयारी करने की शैली, जीवन में गुणवत्ता का महत्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया रोजगारपरक होने के लिए एजुकेशन, नॉलेज, स्किल, एप्टीट्यूड व एटीट्यूड होना जरूरी है। साथ ही सफलता के लिए 33 प्रतिशत समय सफलता प्राप्त लोगों के साथ, 33 प्रतिशत समय अपने समकक्ष साथियों के साथ व शेष 33 प्रतिशत समय अपने से कम सुविधा व अवसर प्राप्त लोगों की सहायता के लिए लगाना चाहिए।

दैनिक भास्कर - 26-10-18

जीजेयू अब सेकंड और फाइनल ईयर का सिलेबस बनाएगी जॉब ओरिएंटेड

कॉलेजों में नए सेशन से प्रथम और दूसरे वर्ष का सिलेबस भी केयूके की बजाय जीजेयू का होगा

सुभाष चंद्र | हिसार

जिले के डिग्री कॉलेजों में प्रथम वर्ष के सिलेबस के साथ नए सेशन से दूसरे व तीसरे वर्ष का सिलेबस भी बदला जाएगा। जीजेयू ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। दूसरे व तीसरे वर्ष का सिलेबस जॉब ओरिएंटेड, कंपीटिटिव एग्जाम व स्किल्ड बेस्ड होगा। इसे पंजाब, दिल्ली, एमडीयू व अन्य यूनिवर्सिटी के सिलेबस का रिव्यू करके बनाया जाएगा, ताकि स्टूडेंट्स ग्रेजुएशन पूरी होते ही जॉब हासिल कर सकें। जीजेयू ने इस सेशन में प्रथम वर्ष में आर्ट्स, कॉमर्स व बीएससी का सिलेबस चेंज किया है। इनमें बीएससी में च्वॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम भी लागू किया है। अगले वर्ष से अन्य कोर्सेज को भी च्वॉइस बेस्ड किया जाएगा।

इस कारण बदला जाएगा सिलेबस : प्रदेश में कॉलेजों में करीब सभी यूनिवर्सिटी ने अपने-अपने कॉलेजों में सिलेबस को बदला है, दरअसल कॉलेजों को पिछले काफी वर्षों से एक ही तरह का सिलेबस चल रहा था, जिससे स्टूडेंट ग्रेजुएशन तो कर लेते है , मगर उनमें किसी प्रकार की स्किल डिवेलप नहीं हो पाती, जिस कारण उन्हें ग्रेजुएशन करने के बाद भी जॉब हासिल नहीं होती। हायर एजुकेशन हासिल करने के बाद भी युवाओं को रोजगार न मिलने के कारण हायर एजुकेशन ने कॉलेज लेवल से ही स्टूडेंट्स को जॉब लायक बनाने के लिए सिलेबस में बदलाव करने का फैसला लिया था।

26 कॉलेज जीजेयू के अंडर

जिले में डिग्री कॉलेजों की संख्या हालांकि 29 है, लेकिन अब जीजेयू के अंडर सिर्फ 26 डिग्री कॉलेज हैं, जिले के तीन सेल्फ फाइनेंस कॉलेज वापस केयूके के अंडर चले गए हैं। इन सभी कॉलेजों में अगले वर्ष प्रथम वर्ष के साथ सेकंड ईयर का सिलेबस जीजेयू का जबकि थर्ड ईयर का सिलेबस केयूके का होगा।

कंपीटिटिव एग्जाम बेस्ड सिलेबस खास ध्यान : वीसी

कॉलेजों में आसपास स्थित सभी यूनिवर्सिटी के सिलेबस का रिव्यू कर आर्ट्स, साइंस, कॉमर्स की कमेटियां सिलेबस तैयार करेगी। सिलेबस में कंपीटिटिव एग्जाम बेस्ड सिलेबस पर खास ध्यान दिया जाएगा। -प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

सेशन शुरू होने से पहले ही तैयार होगा सिलेबस

जीजेयू ने इस वर्ष प्रथम वर्ष का सिलेबस तैयार किया था, मगर अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं तक भी कॉलेजों में सिलेबस को लेकर समस्याएं आई हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए जीजेयू नवंबर महीने से ही नए सिलेबस की तैयारी में जुट जाएगा। जिससे नया सेशन शुरू होने से पहले ही सिलेबस तैयार हो और कक्षाएं शुरू होते ही स्टूडेंट्स को सिलेबस उपलब्ध करवाया जा सके। इसके लिए विवि प्रशासन ने आर्ट्स, साइंस व कॉमर्स के लिए विभिन्न विभागों के डीन को लेकर कमेटियां बनाई हैं जो सिलेबस तैयार कर बोर्ड ऑफ स्टडीज में भेजा जाएगा।

दैनिक भास्कर - 31/10/18